No. of Printed Pages : 4

MHD–5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.डी.–5 : साहित्य, सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खण्ड से* ***दो-दो*** *प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। शेष* ***एक*** *प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड–क

1. 'प्रतिभा–व्युत्पत्ति–अभ्यास' या 'केवल प्रतिभा' को काव्य–हेतु मानने वाले भिन्न–भिन्न आचार्यों की धारणा का विश्लेषण कीजिए। 20

2. आधुनिक काल के रचनाकारों–आलोचकों की काव्य–प्रयोजन सम्बन्धी मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए। 20

3. रीति–सम्प्रदाय की स्थापनाओं पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 20

4. ''औचित्य सिद्धान्त अलग से सिद्धान्त न होकर रस, रीति, ध्वनि आदि सिद्धान्तों का समन्वय मात्र है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए। 20

5. अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद का महत्व निरूपित करते हुए, इस सिद्धान्त की शक्ति और सीमाओं पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

खण्ड–ख

6. आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए। 20

7. युंग की विश्लेषक मनोविज्ञान की मूल स्थापनाओं पर प्रकाश डालते हुए साहित्य से उनका सम्बन्ध निर्धारित कीजिए। 20

8. अतियथार्थवाद के उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

9. ड्राइडन के आलोचना सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

2×10=20

(क) प्रतीकवाद

(ख) बिम्बवाद

(ग) यथार्थवाद

(घ) अस्तित्ववाद

(ङ) छायावादी आलोचना दृष्टि

× × × × × × ×